

[illegible]

नाम कृत पृथ्वी नमः ॥ ॐ उदकला गजाय नमः ॥ ॐ क्रीवसा
नाय नमः ॥ ॐ दक्षिणा गजाय नमः ॥ ॐ क्रीवसा गजाय
नमः ॥ ॐ वाहनादिभ्यो नमः ॥ ॐ ज्ञान नन्दकेशः ॥ ॐ
नाम कृत गलगाः नूनं गृहल नन्दकेशः यज्ञी नन्दकेशः ॥
ज्ञान नमः ॥ ॐ ज्ञान नन्दकेशः यज्ञी नन्दकेशः यज्ञी नन्दकेशः
नमः ॥ ॐ माहात्म्ये देवाय गृहाः नमः ॥ ॐ नन्दनो कृत पृथ्वी
॥ ॐ उदकला नमः ॥ ॐ क्रीवसाय नमः ॥ ॐ दक्षिणाय नमः ॥ ॐ नन्द
नाय नमः ॥ ॐ ज्ञान नन्दकेशाय नमः ॥ ॐ ज्ञान नन्दकेशाय नमः ॥

ॐ माहाकाशाय नमः ॥ ॐ ॐ विमलेश्वराय नमः ॥ ॐ ॐ नमः ॥
य नमः ॥ ॐ विष्णवे नमः ॥ ॐ यक्ष्मा नाशाय नमः ॥ ॐ केतवाय नमः ॥ ॐ
नजं सिंहाय नमः ॥ ॐ वासनाय नमः ॥ ॐ आवाहनादि ॥ चण्डिका
वनाय ॥ तनुनामचण्डिका ॥ ॐ मन्त्राय नमः ॥ ॐ विधेय नमः ॥ ॐ विष्णवे
नमः ॥ ॐ माहावाये नमः ॥ ॐ ऊरुयाये नमः ॥ ॐ विमलाये नमः ॥ ॐ रु
द्राय नमः ॥ ॐ सूरुद्राय नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥ ॐ युक्तिाय नमः ॥
ॐ रुद्राय नमः ॥ ॐ विरुद्राय नमः ॥ ॐ सूरुद्राय नमः ॥ ॐ सूरुद्राय
नमः ॥ ॐ आवाहनादि ॥ चण्डिका मूर्तये ॥ ॐ ॐ नमः ॥ ॐ क
विले नमः ॥ ॐ ललाय नमः ॥ ॐ ॐ केतवाय नमः ॥ ॐ हवाय ॥

य नमः ॥ ॐ मनिरुद्राय नमः ॥ ॐ ॐ सीवयानय नमः ॥ ॐ वलरुद्राय
य नमः ॥ ॐ सूरुद्राय नमः ॥ ॐ लाकनाथाय नमः ॥ ॐ दण्डिदाय
नमः ॥ ॐ सहस्ररुद्राय नमः ॥ ॐ केशुय नमः ॥ ॐ आगनिद्राय नमः
॥ आवाहनादि ॥ ॐ वनाय नमः ॥ ॐ ॐ मय नमः ॥ ॐ ऊरुद्राय नमः ॥ ॐ ॐ
निलाय नमः ॥ ॐ ॐ नलाय नमः ॥ ॐ यक्ष्माय नमः ॥ ॐ यक्ष्माय नमः
ॐ ॐ वरुद्राय नमः ॥ ॐ आवाहनादि ॥ ॐ ॐ कादगाय नमः ॥ ॐ ॐ
ॐ कयाय नमः ॥ ॐ ॐ हिमय नमः ॥ ॐ विष्णुयाय नमः ॥ ॐ हवा
य नमः ॥ ॐ वरुद्राय नमः ॥ ॐ ॐ वकाय नमः ॥ ॐ सूरुद्राय नमः ॥

नमः॥ॐ सा विष्णु यनमः॥ॐ उ यनमः॥ॐ यि ना कि निनमः॥ॐ
य ना जिता यनमः॥ॐ वा हना दि॥ॐ न्या यनमः॥ॐ धा नमः॥ॐ
ह गम यनमः॥ॐ पू यनमः॥ॐ सिता यनमः॥ॐ व पू ल यनमः॥ॐ
यसु नमः॥ॐ जं ग व नमः॥ॐ वि व ग नमः॥ॐ ल व नमः॥ॐ स वि निमः
ॐ वि व नमः॥ॐ द्वा द ग दि आ दि या यनमः॥ॐ स जी व यनमः॥ॐ
जं हि य नमः॥ॐ ऊ यनमः॥ॐ दू ल ल्या यनमः॥ॐ प ल दा यनमः
ॐ क ग व नमः॥ॐ व शि ल्ला यनमः॥ॐ स य स वि ल्या नमः॥ॐ का ला य
नमः॥ॐ का य नमः॥ॐ क ला य नमः॥ॐ मू ह का य नमः॥ॐ दिन

नमः॥ॐ रा वि ल्या नमः॥ॐ व गृ ह ल्या नमः॥ॐ व द्वा य नमः॥ॐ सा
सा यनमः॥ॐ कृ ता दि यु ग ल्या नमः॥ॐ स मू द्रा यनमः॥ॐ कृ तिका
दि ज्वा वि ग ति न कृ ग ल्या नमः॥ॐ वि ल्क मू दि था ल ग ल्या नमः॥ॐ य
दि य दा दि ति यि ल्या नमः॥ॐ क व ल्म दि ल्या नमः॥ॐ ज्वा दि था दि न व
गृ ह ल्या नमः॥ॐ म यो दि द्वा द ग जा नि ल्या नमः॥ॐ ल ग्ना यनमः॥ॐ
न्या दि ला क टा ल ल्या नमः॥ॐ वा हना दि॥ ॐ ॥ गता ॥ स व दू
ऊ य॥ॐ ऊ न का यनमः॥ॐ वा मू का नमः॥ॐ क क्री ट का यनमः॥
ॐ त क का नमः॥ॐ व द्वा यनमः॥ॐ महा य द्वा यनमः॥ॐ कृ लि

[illegible]

ताथे नमः॥ उभय नकाथे नमः॥ उतिहा नमाथे नमः॥ उस्वके ल्ये न
मः॥ उका सधायाथे नमः॥ उउदस्थे नमः॥ उज्जु न्नायिके स्थानम
उच्चापये नमः॥ उचन ल्ये नमः॥ उधर्मि ल्ये नमः॥ उधाये नमः॥ उ
ज्जु नमः॥ उतउ सो नमः॥ उदायका नमः॥ उज्जुका नमः॥ उय
थिथे नमः॥ उवाहननादि॥ ७ ॥ नगान्नक प्रतिसा यूठनं॥ उम
न्ययनमः॥ उकस्मीयनमः॥ उत्रपाहायनमः॥ उनजसिंहायनमः
उवासनायनमः॥ उयर्जुनासायनमः॥ उग्रिजासायनमः॥ उकृष्ण

य नमः॥ॐ वृद्धा य नमः॥ॐ कलकी न नमः॥ॐ दधम वता जाय नमः॥ॐ
 वाहना दि॥ॐ क नमः दूता॥ॐ गी गीथे नमः॥ॐ य सु नाथे नमः॥ॐ
 स जल्ये नमः॥ॐ नर्म दाथे नमः॥ॐ लम दा व ल्ये नमः॥ॐ का थं
 ल्ये नमः॥ॐ स जल्ये नमः॥ॐ गं लु के नमः॥ॐ को गि के नमः॥
 ॐ स य स सु दाथे नमः॥ॐ ज्ञा वाहना दि॥ॐ स ल स दूता॥ॐ भव व
 नमः॥ॐ सु भि ज व नमः॥ॐ गी व सा द लाय नय॥ॐ सु द लाय नमः॥
 ॐ व ल्ये नमः॥ॐ स लु नाय नमः॥ॐ सु जाल या य नमः॥ॐ ज नू सा ला
 य नमः॥ॐ स ल्य व नमः॥ॐ ऊ कृ कृ ज य द्वा ता य नमः॥ॐ स फ क

श्रीसक्तानवद्वयत ॥ विष्णुवद्वयवेषा
 नवद्वयपितन ३ वय ४ प्रसादात् ॥ ॥
 विष्णुसुति ॥ पितापितामह ॥ विष्णु
 विष्णुपितामह ॥ १ ॥ ८ ॥ विष्णुयानुवि
 (१) नमयादकनरुताले ॥ सातामरुत
 फिमयेतितस्मा पितापितामह ॥
 ताप्यजन्ता ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु
 याति ॥ ८ ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु
 य ३ ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥ साकाववा
 कारुले ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥ निधनाह
 ययाकिसेव ॥ नकालि ॥ (१) विष्णुवद्वयवर्मापु
 निधनीय ॥ मनुकीर्न क्रियालीर्नर
 क्रिदीनरु ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 (१) नमरु पिहदवता ॥ पितवावम
 वाक्का ॥ ३ ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 नामरुमहादिया ॥ ३ ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु
 ता ॥ पितन ३ ॥ मृषीदावनदाहवतु ॥
 विर्वलाक विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 ॥ ॥ पितन ३ ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 ववदाकवतु ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 द्वा ॥ (१) नमरु पयस्व ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 पितन ३ ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 वाज वतवा जिनातधनम् विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 मृता ॥ (१) नमरु ॥ अस्यमथ ॥ पितनमाद
 यधन ॥ कायातय धिदिद्वयवर्मापु ॥
 सधन ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 विष्णुवद्वयवर्मापु ॥ ३ ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 मृगा ॥ कानि ३ ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥

मनदीयर्हसा ॥ तनसिमानस ॥ तपि
 जाता ॥ कृत्वा ॥ वाक्का ॥ वदयानग ॥ ३ ॥
 श्रिता ॥ द्रुमधाक ॥ ययकथावशीदतः
 ॥ गजार्थापिह ॥ ययलस्वयमयाजनाद
 न ॥ तन्वद्वयपुष्टीकाकमृद्यतंशन
 लयुय ॥ समीयगुपमाननपिह ॥ दद्या
 द्यागिन ॥ ३ ॥ वद्वयवर्मापु ॥ गजार्थाकल
 मकाकनसर्त ॥ ३ ॥ तनुती ॥ यननस्त्रावा
 आत्वादवगदाधन ॥ आत्मानकावयि
 म्याकीदगपुद्वादगायनात ॥ ३ ॥ कया
 नव्यशति ॥ ३ ॥ कलासयो ॥ ३ ॥ अली
 यनसखीना ॥ ३ ॥ स्वकिन ॥ ३ ॥ ति ॥ ३ ॥
 पुय ॥ ३ ॥ धिर्वा ॥ ३ ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 ३ ॥ अग्निद्वयता ॥ ३ ॥ यो ॥ ३ ॥ किनिनि ॥
 पतिकनमद्वयवर्मापु ॥ ३ ॥ तितद्वयम
 दकनरुतपुकात्वा ॥ ३ ॥ यवास्मत्के
 लयजाता ॥ मृषा ॥ गजवाधवा ॥ तपि
 वरुमयादर्व ॥ रुकनिस्त्रीनर्मजर्त ॥
 पुत्रीनाड ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 ॥ ॥ ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 ननिधाय ॥ जलधालेनपुद ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 ३ ॥ ३ ॥ आत्मावाजस्वपुसवाजगम्या
 दमद्यावापृथिवी ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 कास्थितनामानवावासासासा ॥ अमृत
 त्वनगम्यात ॥ ३ ॥ अमृतजाधन ॥ विष्णुवद्वयवर्मापु ॥
 मार्कसुखानिव ॥ ३ ॥ यय ॥ ३ ॥ तथा ॥
 नृणां ॥ वेवपितामहा ॥ ३ ॥ ययव ॥ ३ ॥

चनानां धर्ममदकदयश्च नास्ति ॥ १२ ॥
नक्षत्रावद्वत्तवदतिथीष्वतरो मदि ।
नक्षत्रजतिज्ञानेष्वतुषु सूत्रानि च ॥
एतद्वामिष्यसु मातया विष्मः कपुः
नादृपविषुष्यदानेऽपि नातिर्यवति यो
स्त्रिकं ॥ एताः १७ वाः ११ अष्टमिष्यसु ॥
स्वधाम्ना च यिष्यवाचता ॥ अस्मार्थकृषि
ॐ निषाय ॥ कृषितिलादकनयितन १ स्व
धाम्ना ॥ अन्नाद्यन्त ॥ उदकधान ॥ प्रीयन्ता
कैत्यः स्वधा ॥ अस्तुत्यः स्वधा ॥ सुधान ॥
यिषुस्तु ॥ लपूर्यगृहीत्वा ॥ एष्टुप्रथके
यितगागर्हकृमानपृक्केनमुजे । यत्थरु
यूष्मासत ॥ यूष्मकन ॥ अष्टमसवात ॥
कृषितिलादकपिषु पाण्डुर्गृहीत्वा ॥
ॐ दुर्ज्वरुक्तीनमर्गुदुर्तययः कीला
र्तयविमूर्त ॥ स्वधाम्नातुर्गृहीतमपिरुने
॥ यिषु पाण्डुर्गृहीत्यैरुफिवस्तु स्व
धा ॥ ११ ॥ गणदकैरुफिवस्तु स्वधा ॥ अष्ट
कणेषु यितन १ रुक्मादकार्यमन्त्रीयं
रुफिवस्तु स्वधा ॥ पाण्डुअष्टमसर्वकृता
॥ अस्तुर्गृहीत्वा ॥ पाण्डुर्गृहीतं दत्त्वा ॥
॥ ॥ ॥ ब्राह्मणयथासर्द्धादिदिनादानं ॥
स्वस्तिरुवमस्तुर्गृहीत्वा ॥ वाचनादकं
नक्षत्रयितन १ अन्नीयैरुफि ॥
ताम्रपाण्डुर्गृहीतं निषाय ॥ मन्त्रिणान
विश्वर्षादवान्तैः स्वानयदवान् स्वस्ति
दुर्तनामस्तुर्गृहीत्वा ॥ तताग
वार्धनं ॥ कषवादि ॥ नद्यादि ॥ ब्रह्माद्या

[illegible]

चित्तं च यित्ता वासः ॥ यित्तं ३ यित्तं ३
 क्षापयतीत वासस्त्वधा ॥ एतत्तं विगनावा
 सः ॥ यित्तं ३ यित्तं चन्दनं स्वधा ॥ यित्तं
 ३ ३ यित्तं पूर्णं स्वधा ॥ एतत्तं चन्दनं किम्प
 नाजानि नानापूर्णा मृत्ता निकाः ॥ गृ
 ङ्गले यित्तं चन्दनं विगनावा ॥ ताकमदीय
 नं ॥ गुग्गुली सतपथं विगनावा ॥ चन्दन
 मयकं ॥ तगमावत्तं विगनावा ॥ मृत्ता
 यकं ॥ एतत्तं चन्दनं विगनावा ॥ यत्थाकं
 न विगनावा ॥ एतत्तं चन्दनं विगनावा ॥
 कृताम्बालकं चन्दनं गृङ्गुले यित्तं चन्दनं ॥
 यित्तं ३ यित्तं चन्दनं चन्दनं स्वधा ॥ एत
 धूयसीति ॥ एतत्तं चन्दनं ॥ यित्तं ३ धू
 य दीर्घं स्वधा ॥ ॥ यित्तं ३ यित्तं ३
 च्यावन्दनयक्षा पवीत एतत्तं चन्दनं
 मृत्तं धूय दीपने वद्यर्षिके तपसि
 चित्तं चन्दनं ॥ ३ ॥ सपिण्डी कनसपत
 यित्तं चन्दनं ॥ मृत्तं चन्दनं कावयत्
 ॥ सफुल्लवगमयती ॥ एतत्तं चन्दनं अत
 ति ॥ अद्यादि पत्तं ॥ अमृत्तं चन्दनं यि
 चित्तं चन्दनं चन्दनं चन्दनं ॥ यित्तं ३
 न यित्तं चन्दनं चन्दनं चन्दनं ॥ एतत्तं च
 फससु ॥ गयमृत्तं चन्दनं चन्दनं विगन
 दान एतत्तं चन्दनं चन्दनं ॥ दानावराका
 न सक्तान एतत्तं चन्दनं ॥ किययायि
 पूर्णं चन्दनं ॥ कालातीत वलतीत न
 त्त्वं चन्दनं चन्दनं ॥ यस्यादि चन्दनं

अन्तीयमसु ॥ अन्तीयमसु ॥ यित्तं ३ सुतु ॥
 कृतात्तादकं गृहीत्वा ॥ एतत्तं चन्दनं चन्दनं
 वति ॥ पूर्ववत्तं ॥ एतत्तं चन्दनं चन्दनं ॥ विग
 दवादि यित्तं ३ सुतं ३ सुतं ३ सुतं ३ सुतं ३
 ॥ ॥ वाक्काश्या ॥ एतत्तं चन्दनं चन्दनं
 ॥ एतत्तं चन्दनं ॥ दीर्घं न दाव्यन घट्ट विग
 नोत्तं चन्दनं ॥ एतत्तं चन्दनं ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 दीर्घमायव वाक्काश्या ॥ अर्था मन्त्रा म्बिता
 दवाः सर्वं यूपतिर्मा ॥ म्बिताः ॥ वाक्काश्या
 लन्त्यर्कं निक्काश्या ॥ एतत्तं चन्दनं ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 तु ॥ ३ ॥ सुतं ३ ॥ लन्त्यर्कं चन्दनं ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 चन्दनं चन्दनं ॥ वन्दामर्तं सदा ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 नम्यं ददासु ॥ अन्तीयमसु ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 किं पश्चिक्कलं ॥ यत्तं चन्दनं ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 नक्तं दसु सदा मम ॥ वाक्काश्या ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 कर्तं दद्यात् ॥ अन्तीयमसु ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 (एतत्तं चन्दनं) ॥ एतत्तं चन्दनं ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 नम्यं दकमन्तीयमसु ॥ अर्था मन्त्रा म्बिता
 कृतात्तादकं वाक्काश्या ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 न ३ दकमन्तं दकमन्तीयमसु ॥ य
 वामदि चन्दनं चन्दनं चन्दनं चन्दनं ॥
 यमसु ॥ अन्तीयमसु ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 तु ॥ वाक्काश्या ॥ एतत्तं चन्दनं ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 स्मन्तं ॥ एतत्तं चन्दनं ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 वाग्ग्यं चन्दनं ॥ एतत्तं चन्दनं ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 नवृद्धिं चन्दनं ॥ ॥ अर्था मन्त्रा म्बिता
 म्बिता ॥ एतत्तं चन्दनं ॥ एतत्तं चन्दनं ॥
 निवृद्धं चन्दनं ॥ एतत्तं चन्दनं ॥

आवाययादशाकूलमम। रुमीदकेनर
 यन्तु सखानमूपादिहिरता॥सीखन
 दीनवातविगतयिषुमूपादिहिरता॥
 एतकविगनयिषुपूष्यमूपादिहिरता
 ॥विगनयिषुतितादकार्यदत्वा॥वि
 (स्वदवस्मावमन२॥विगनयिषु मू
 स्य४वन्दन रुतपूष्यतामृत धृप
 दीय।नेवद्यादिसंकल्पसिद्धिनेमु ॥
 विगननयथाकुरुतसंसायममु ॥
 विगनामूरुफातवन्दु ॥रुफायाव
 यर्गगति ॥रुपस्वर्गन॥गयरीन्याम
 कत्वा ॥ अन्तमस्वकुशागलीकी
 रंसयितिलेखधा।दधिमधुमितिषाक
 मूखीनयिषुसंगर्व ॥ यिषुपानुगृही
 त्वा॥पूर्वादिमूखगयरीजयत॥२॥
 नमस्तुत्य ॥रुगयरी२॥रुंगदाधन
 शि२॥रुपुषुनीकान्कपिनम४॥पूर्वादि
 मुखन॥ ॥अपसुखन॥दक्षिणम
 रु॥सम्पन्न॥वाक्क।ननसूसीयन॥बा
 क्क।पृच्छयत॥रुफाक॥वाक्क।नन
 फास॥।नममनर्किंकर्कवा॥वाक्क।न
 न०००सीसरुकाकर्ता॥वनपात्रविस
 र्जनेवदिसुपयत॥सयन॥यिषु
 सम्पादयामि॥वाक्क।ननयिषुसम्पा
 दयस्व॥यिषुमर्ककनिम॥वाक्क।नन
 रुकुवस्व॥ ॥यिषुगर्कत्वा॥यिषु
 गृहीत्वा॥प(०)त॥रुध्ववसदत्तान
 षदस्मन४सदमूपयामगृहीतामा

वायवाशरुद्रकाम्यवतया।निविद्याय
 त्वाशरुद्रतम ॥अयादि॥यथा।ननुयि
 रुद्रं।साम्बेद्वनीकशार्द्रयितनयथा
 नाममसमर्नन॥तर्कयिषुतस्मस्वधा
 ॥उषवेयितनयिषुवशावपूष्यसूधर्ध॥
 रुद्रमूषदत्वाधृतसदम्याममदमप
 यामगृहीतामीडायत्वाशरुद्रकाम्यव
 तया।निविद्यायत्वाशरुद्रतम ॥अमूक
 (ग)ययितामयथानामपूर्ववत॥यिता
 मरुद्रपूष्यसूधर्ध ॥रुद्रपूष्यविसद
 त्वाकैविकसददिविसदन्दवसदत्ता
 कसदमूपयामगृहीतामीडायत्वाश
 रुद्रकाम्यवतया।निविद्यायत्वाशरुद्र
 तम ॥अमूक।गयप्रयितामरुपूर्वव
 नयथानाम ॥पुयितामलादित्यपूष्य
 सूधर्ध ॥रुद्रपूष्यत्वा॥यिषुगोश॥
 यितनयितामरुपुयितामरुयिषु
 गोशस्वधा॥रुद्रपूष्ययितनामादयध्वय
 थागमावृषायध्वय।अमीमदकयितना
 यथागमावृषाययिषत॥कनयिषुनिधा
 य॥अक्षावमू२पूष्यदयानयिषुमू२॥
 अमूक।गययथानामयितन२यिषुति
 नादकार्यस्वधा॥ ॥यितन२वाक्क
 आवमन॥यिषुवास॥रुद्रनमाव४यित
 वायसायनमाव४यितन४।आवायनमा
 व४यितवाजीवायनमाव४यितन४स्वधा
 येनमाव४यितवाधावायनमाव४यितन
 मन्यवेनमाव४यितन४यितनानमावा
 नृकान्४यितनादकसमाव४यितन४

वा ० नमः ॥ ॥ ॐ अथ रुताग्रसूत्रानका
 धुमिवदित्यदः ॥ तस्मनास्तु न्यादिदं द
 यत ॥ नका ॥ ॐ अथ न्यासिप्रतिमं न
 नाजसूनाः सकः स्वधयावयति ॥ यनाय
 नातिप्राथम्यं न्यासिष्टान्नाकायुगदा
 त्यास्मातश्चाति ॥ कूर्णपक्षात्त्यक्षियत ॥
 वाक्त्रोलो वित्तजनादिपूजयते ॥
 कृष्णकतादकं गृहीत्वा ॥ ॐ वि ॥ स्वया
 दवस्थावेष्टानवदवस्थापितुं नृद
 साम्बच्चुवीकशार्द्धं ०० दमनं स पूत
 सापस्तनर्ण यदर्कं ददास्यामि ॥ त्रिभि
 धवर्जितं तृप्तिपथं सत्तमदकं
 मदीयं नयः स्वाहा ॥ ०० दमनं स
 कल्पसिद्धिं नमः ॥ वाक्त्रोलो ०० दकं
 दयात् ॥ अथ मण्डलं कावयते ॥ य
 वाक्त्रोलो नमः ॥ ॐ मधुवाताम
 यं न गायते ॥ अथादिप ०० ॥ अथ
 (मण्डलं) अथ मण्डलं कावयते ॥ अथ
 शार्द्धं वि ॥ स्वदवादिपूर्वकं ०० त्रि
 कल्पसिद्धिं नमः ॥ याकः सिद्धिं नमः
 शुभार्द्धं नमः सर्वविधियनिर्पुण्यं नमः
 कालातीतवत्तातीतं नमः सर्वविधियं
 नमः ॥ यथादिष्टं नमः अन्तीयमः ॥ अ
 हा नमः अस्मात्पितृनाम ॥ वाक्त्रोलो
 नमः ॥ कृष्णविलादकं गृहीत्वा प ०
 तं ॥ ॐ दवसवित्तं पुसवयते
 स्पृष्टवयं यतिस्तु नमः ॥ दिवा नमः
 व ० कतपुः कततत्तं पुनः पुनः पुनः

तिबो जन्म ४ स्वदनुस्त्रि ॥ वि (ध्वदव)
 दि, पितन ४ ॥ अन्तगन्ध दि अन्तसं
 कल्प वि (ध्व) मर्दय निपुण मनु ॥
 अन्तसं कल्प अ द्वि ४ ड मनु ॥ अन्त
 सं कल्प पूजा विधानं तत्तर्ब विभि
 य निपुण मनु ॥ विपु मर्द अ मृतीय
 मर्थ ॥ अजयत ॥ यिरुष्ट कं प (० त) ॥
 ॥ यश्वात ॥ वि (ध्वदवादि मर्ब
 तिक ४ पुदार्न ॥ अक पूनिन ४ दबीमव
 लोकेयत ॥ तर्ब पितु पात्र निधाय ॥
 पिण्ड लं कृष्टयन मर्जयत ॥ अय
 आ मथना माया काशी काती अवे लिका ४
 पू विद्या वावती (गया सफ क मर्कदाय
 काम ॥ यनी मर्कय विजालि दार्द्रकार्य
 अशाषित ॥ त्मो कजल रुक् पिहर्ना
 मर्कदाय काम ॥ अय स द्या न ॥ विगना
 मर्न ॥ अर्सं स्वय समीता नार्थय काना
 दोष मत्कल ४ द्वि द्वा रागद हाना द
 लोय विगना मर्न ॥ डय दि स्त्रिता ॥
 पश्चात्पितन ४ पिण्ड मर्न स्वध ॥ पा
 न मर्न वि ॥ विगन पिण्ड गृहीत्वा प (० त
 ॥ दधि कृष्टा कृत वि (ध्वदव ॥ दधि न क ॥
 वाक्क (० ड कं द धिल क ॥ तिल कृष्टा मुह
 र्नि पिहय क ॥ तिल न क ॥ पितन (० त क
 तिल न क ॥ अं य अ नि द्या ला य अ न नि
 द्या ला म (अ दि व ४ स्वध या मा दय क ॥
 स्व ४ स्व न ठ मृनी ति मर्ता यथा व स न
 न्दं कल्प याति ॥ अय म्नि दग्ना यथ